क्षेत्रीय दूरदर्शन केन्द्रों द्वारा कार्यक्रमों के चयन के लिए मनिदंड

4559. **श्री मनोहर कान्त ध्यानीः** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(**क**) क्या यह सच है कि क्षेत्रीय दूरदर्शन केन्द्रों पर प्रसारण के लिए चुने कार्यक्रमों में क्षेत्रीय संतुलन का ध्यान नहीं रका जाता है,

(ख) क्या उत्रर प्रदेश के संदर्भ में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों की "अवधि", "भोजीपुरी", "बुन्देलखण्डी", "व्रजभाषा", "म्यान्दावी", "गढ़वाली" और "कुमाऊंनी" भाषाओं (बोलियों) के लिए कोई मानदंड बनाएं गए हैं, और

(ग) यदि हां, तो क्या इन बोलियों में कार्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं; यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री मती सुषमा स्वराज): (क) जी, नहीं।

(ख) और (ग) विभिन्न क्षेत्रों के लिए कार्यक्रम तैयार करने/प्रसारित करने हेतु कोई निश्चित मानदण्ड नहीं है। तथापि, दूरदर्शन केन्द्र लखनऊ से समय-समय पर विभिन्न क्षेत्रों के कार्यक्रम उनके लोक संगीत, सांस्कृतिक विरासत और साहित्य को प्रदर्शित करके सम्बन्धित क्षत्र की भाषा/बोलियों में प्रसारित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों की यह सुनिश्चित करने के लिए संतुलित ढंग से रूपरेखा तैयार की जाती है कि सभी क्षेत्रों को पर्याप्त कवरेज प्राप्त हो।

दूरदर्शन केन्द्रों के कार्य-निष्पादन की समीक्षा

4560. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे**: क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार देश, विशेषकर गुजरात, में प्रचालनरतर दूरदर्शन केन्द्रों के कार्य-निष्पादन की कोई समीक्षा करती है;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1996-97 के दौरान राजकोट दूरदर्शन के लिए निर्धारित लक्ष्यों की तुलना में उनके कार्य-निष्पादन और उनकी खामियों का ब्यौरा क्या है;

(ग) इसके लिए उत्तरदायी घटक कौन-कौन से हैं; और

(घ) क्या इस केन्द्र के क्षेत्रीय प्रसारण का कार्य-निष्पादन स्तर लगातार गिरता जा रहा है?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज): (क) दूरदर्शन कन्द्रों के कार्यकरण से संबंधित मामले पूर्व रूप से प्रसार भारती के अधिकार क्षेत्र में आते हैं और सरकार द्वारा इन पर कोई निर्णय नहीं लिया जाता है। तथापि, प्रसार भारती समय-समय पर दूरदर्शन केन्द्रों का निरीक्षण करता है।

(ख) प्रसार भारती ने 1996-97 के दौरान दूरदर्शन केन्द्र, राज कोट के कार्य-निष्पादन के संबंध में ऐसा कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया था।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

(घ) जी, नहीं।

Anomalies in distribution of Commissioned Programmes in Doordarshan, Guwahati

4561. SHRI KARNENDU BHATTACHARJEE: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the rampant corruption and anomalies in the recent past with regard to distribution of various Commissioned Programmes by the Deputy Director General (NER), Doordarshan, Guwahati to a section of so-called businessmen involved in making TV serials, documentaries and royalty programme etc. at Doordarshan, Guwahati; and

(b) if so, the details thereof and whether the same has been discussed with "Prasar Bharati Board" to take necessary action against such corrupt officers?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRIMATI SUSHMA SWARAJ): (a) and (b) Certain newspapers carried the allegations of malpractices .•', against Guwahati Doordarshan dfficiai^, reportedly made by some artists including film directors and producers in a Press Conference . in allotment of Doordarshan's commissioned programmes to commemorate 50th Anniversary of India's independence. The